नारीलोक
नवंबर 2025
अंक 329

अध्यक्षीय कार्यालय
SUMAN NAHATA
G-67, Kirti Nagar, New Delhi, 110015
Mob no: 9818854120
Email: sumannahata67@gmail.com

अध्यक्षीय टंकार

सम्माननीय बहनों !

वर्ष 2025 के अलविदा एवं नये वर्ष की अगवानी की इस संधि-बेला ने चिन्तन की दीवारों पर अनेक प्रश्नचिन्ह टांगे हैं। बहनों ! उन प्रश्नों पर आत्म विश्लेषण करें कि बीते वर्ष में हमने क्या खोया और क्या पाया? सोचनीय प्रश्न है कि आखिर हमने प्रतिकूलताओं से लड़ने के लिये ईमानदार प्रयत्न कितने किये? मंजिल तक पहुंचने के लिये संकल्पपूर्वक कितने कदम उठाये? गुजरे हुए साल में अनेकों पैगाम भेजे गये। क्या उन पैगामों को हमने सुना या अनसुना किया? अलविदा के ये क्षण हमारे लिए प्रतिक्रमण है जो हमें आत्मावलोचन एवं अतीत का सिंहावलोकन करने का अवसर प्रदत्त करते हैं। जिंदगी से कुछ सीखना है तो मुड़कर पीछे देखना होगा और वहां हुई गलतियों एवं त्रुटियों का परिष्कार करना होगा।

जाते हुए वर्ष को अलविदा कहते हुए हमें नए वर्ष की दस्तक आह्वान कर रही है कि अतीत की भूलों से हम सीख लें और भविष्य के प्रति नए सपने, नए संकल्प बुनें। कृत कार्यों का स्व-आकलन करते हुए आनेवाले नव वर्ष में अपने उद्देश्य एवं कार्यों के लिए संकल्पित हो। अतीत में जो खो दिया उसका मातम न मनाएं। हमारे भीतर अनंत शक्ति का स्रोत बह रहा है। समय का हर टुकड़ा विकास एवं सार्थक जीवन का आईना बन सकता है। हम अब वह सब कुछ पा सकते हैं, जिसे अपनी दुर्बलताओं, विसंगतियों, प्रमाद या आलस्यवश पा नहीं सके थे। मन की संकल्प शक्ति एवं संकल्पना शक्ति जीवंत बनी रहना जरूरी है। हम अलविदा उस निषेधात्मक सोच को कहें जिसने हमारे भीतर आत्मविश्वास का दीया बुझा दिया, संकटों एवं बुराइयों के विरुद्ध लड़ने की ताकत को कमजोर कर दिया, पुरुषार्थ के प्रयत्नों को पंगु बना दिया। हम बीते वर्ष के उन तमाम संबंधों, स्मृतियों, स्वार्थों, सन्दर्भों, घटना प्रसंगों, क्रियाओं, प्रतिक्रियाओं को अलविदा कहें जिनके कारण हमारी इंसानियत पर सवाल उठें। जिनके कारण हमारी संवेदनाएं निस्तेज हुई, विकास में ठहराव आया एवं अनेक बाधाएं खड़ी हुई।

हर बार संकल्प पूरे हों, यह बिल्कुल जरूरी नहीं, क्योंकि जज्बा तब तक लोहा भर है, जब तक मन में दृढ़ता का बसेरा न हो। दृढ़ता आए तो यही जज्बा इस्पात बन जाता है। बहनों ! आप अपनी जिंदगी किस तरह जीना चाहती हैं? यह तय होना जरूरी है, आखिरकार जिंदगी है आपकी ! दरअसल, जीवन एक व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था, जो जड़ नहीं, चेतन है। स्थिर नहीं, गतिमान है। इसमें लगातार बदलाव भी होने हैं। जिंदगी की अपनी एक फिलॉसफी है, यानी जीवन-दर्शन। हमारे महान् तीर्थंकरों एवं आचार्यों ने सत्य के कुछ सूत्र बताये हैं कि जीवन की अर्थवत्ता किन बातों में है। ये सूत्र हमारी जड़ों में है, हमारी संस्कृति - हमारे लोकगीतों में है, पुरातन ग्रंथों में, दादा - दादी के किस्सों कहानियों में है और है हमारे आचार्यों की वाणी में। जीवन के मंत्र ऋचाओं से लेकर संगीत के नाद तक समाहित हैं। हम इन्हें कई बार समझ लेते हैं, ग्रहण कर लेते हैं तो कहीं-कहीं नहीं समझ पाते और भटक जाते हैं। जब-जब ऐसा होता है, जिंदगी की खूबसूरती गुमशुदा हो जाती है। जीवन का एक-एक क्षण जीना है- अपने लिए, दूसरों के लिए, समाज के लिए, संघ के लिए। यह संकल्प जीवन के सदुपयोग का संकल्प होगा, दुरुपयोग का नहीं। बस यहीं से शुरू होता है नीर क्षीर का दृष्टिकोण। यहीं से उठता है अंधेरे से उजाले की ओर पहला कदम।

बहनों ! हम क्या हैं, यह समझना आसान नहीं होता। अपनी ऊर्जा की थाह पा लेना हर किसी के बूते की बात नहीं।अगर ज्ञान मिलता है तो हर कोई उसे पचा नहीं पाता। मुट्ठी भर ताकत मिलते ही व्यक्ति बेकाबू हो जाता है। कामयाबी की थोड़ी सी रोशनी में ही आंखें चुंधियाने लग जाती हैं और हमारा अपना सूरज अधूरा ही रह जाता है। सूरज और मनुष्य में कुछ बातें एक जैसी हैं। दोनों में अनंत ऊर्जा है। दोनों के प्रकाश की कोई सीमा नहीं है। दोनों में ही दूसरों को जीवन देने की अद्भुत शक्ति है। विज्ञान कहता है कि सूरज महज हाइड्रोजन और हीलियम जैसी गैसों का एक पिंड है। उन गैसों के मेल से ही लगातार ऊष्मा पैदा होती है। विज्ञान की शब्दावली में भले ही सूरज के पास आदमी की तरह मन या विवेक नहीं है, पर अपने अनुशासन, संतुलन और निरंतरता में वह बेजोड़ है। उसका उदय और अस्त दोनों ही कमाल हैं। उसके चढ़ने और डूबने दोनों के ही मायने हैं। बहनों! हमारा जीवन सूरज की तरह अनुशासित, संतुलित एवं गतिमय हो । हम सबमें कुछ खास होता है। कुछ गुण, जो हमें दूसरों से अलग बनाते हैं। पर हम दूसरों से तुलना ही करते रह जाते हैं। उन जैसा बनने में लगे रहते हैं। नतीजा, ना वैसे बन पाते हैं और ना ही वह, जो हम बन सकते थे। एल्बर्ट आइंस्टीन कहते हैं, "हर कोई प्रतिभाशाली है, लेकिन मछली की क्षमता का अंदाजा उसके पेड़ पर चढ़ने की क्षमता से लगाएंगे तो मुमकिन है वह पूरी जिंदगी खुद को बेवकूफ ही समझेगी।" अंत में परम श्रद्धेय आचार्यप्रवर के दिशा निर्देशों में महिला मंडल को श्रद्धा एवं उमंग के साथ सृजनात्मक बनाए । समस्त शाखाएं करणीय कार्यों को प्राथमिकता दे।

स्नेहाकांक्षी
सुमन नाहटा

उषा

भिक्षुगाथा

सत्य भक्त: सत्य समर्पित

स्वामीजी का सारा जीवन सत्य की आराधना के लिए ही समर्पित था सव्वाइं विज्जाइं सच्चे पइट्ठिइं अर्थात सारा ज्ञान सत्य में ही प्रतिष्ठित है, आचारांग सूत्र की इस आगम वाणी को उन्होंने पूर्णत: हृदयंगम कर लिया था। उन्हें अपनी बात का कोई आग्रह नहीं था, केवल सत्य की खोज थी। उस खोज में जो तत्व भाषित हुआ, उसी का उन्होंने प्रचार, प्रसार किया। फिर भी अपने मस्तिष्क का द्वार उन्होंने कभी बंद नहीं होने दिया। आचार की सत्यता के प्रति भी उनका उतना ही आग्रह दृढ़ था, जितना कि विचारों की सत्यता के प्रति ।

जिस काठ मे घुन (दीमक) लग जाता है, वह बाहर से कितना भी अच्छा क्यों न दिखाई दे, अन्दर से थोथा हो जाता है। स्वामीजी असत्य को आत्मा के लिए ऐसा ही घुन मानते थे। जो व्यक्ति असत्य को प्रश्रय देने लग जाता है, वह आचार और विचार दोनों ही पक्षों में थोथा हो जाता है।

असत्य पर चोट सत्य की स्थापना का ही एक अंग कहा जा सकता है।

आचार्य श्री महाश्रमण जी वाणी

नियति और पुरूषार्थ का समन्वय:

नियति और पुरूषार्थ, ये दोनों वाद हमारे जीवन के साथ जुड़े हुए हैं। अनेकांत के आलोक में इन्हें समझा जा सकता है। जैन दर्शन आत्मकर्तृत्व में विश्वास करता है। किन्तु कुछ स्थितियों में पुरूषार्थ व आत्मकर्तृत्व निष्प्रभावी रहता है। जैसे भव्य को अभव्य और अभव्य को भव्य, जीव को अजीव सथा अजीव को जीव बनाना पुरूषार्थ के वश की बात नहीं है। यह पुरूषार्थ की सीमा से बाहर का क्षेत्र है। यह पुरूषार्थ - अप्रभावी नियति है।

आमतौर पर हमारे जीवन - व्यवहार में नियति और पुरूषार्थ दोनों का योग रहता है। जहां तक मैं समझ पाया हूं नियतिवादी को भी पुरूषार्थ का प्रयोग तो करना ही होता है। क्या नियतिवादी क्षुधा शान्ति के लिए हाथ से कवल ग्रहण कर मुंह में नहीं रखता ? यदि वह करता है तो इसका अर्थ हुआ कि नियतिवादी को भी पुरूषार्थ का सहारा तो लेना ही पडता है। पुरूषार्थ का होना भी एक नियति है, ऐसा तो माना जा सकता है, किन्तु पुरूषार्थ को सर्वथा नकारा नहीं जा सकता।

पुरूषार्थ ही करने की चीज है, पुरूषार्थ TO DO है, नियति तो होने की चीज है अर्थात नियति TO BE है। इसलिए पुरूषार्थी व्यक्ति के जीवन में नियति और पुरूषार्थी दोनों का समन्वय हो सकता है। 'नियति' शब्द का प्रयोग मैंने भवितव्यता के अर्थ में किया है और 'पुरूषार्थ' शब्द का प्रयोग प्रयत्न और पराक्रम के अर्थ में किया है।

साभार: धर्म है उत्कृष्ट मंगल

प्रमुखा श्री जी संदेश

APARIGRAHA:

The principle of non-possession signifies the limiting of desires and accumulation of wealth. But many people do not know much about this principle. Generally people say that non-violence is the fundamental principle of Jainism, and quote the aphorism—'ahimsa paramo dharmah' which is not, however, from a Jain scripture, but from vedic literature. In fact, according to Mahavira, aparigraha is more fundamental, because the root cause of violence is parigraha or possessiveness.

A person perpetrates violence due to desire for possession. A person cannot sustain life without it. The craving for more possessions make people indulge in violence. The greed for money, land etc. and the craze for acquiring more things are the root causes of violence. So non-violence is secondary whereas non-possession is the main principle of Jain philosophy. One cannot understand Lord Mahavira's conception of non-violence until and unless one comprehends his principle of non-possession.

Excerpt From: **AN INTRODUCTION TO JAINISM**

एक पत्र गुरु तुलसी के नाम- आचार्य तुलसी के 100वें दीक्षा दिवस पर सादर समर्पित
(समर्पण -आचार्य श्री महाश्रमण जी के करकमलो मे)

अनंतश्री गुरु के पादपद्मों में वंदन

गणाधिपति पूज्य गुरुदेव!
यद्यपि आपकी परम-पावन देह इस अनित्य संसार की धूलि में विलीन हो चुकी है, तथापि आपकी चेतना आज भी धर्मधारा बनकर समस्त साधक-हृदयों में प्रवहमान है। आप साक्षात् विचारों की तुषाररश्मि थे— जहाँ करुणा की शीतलता और सत्य की ज्वाला एक साथ संतुलित होती थी। आज, आपके दीक्षा-शताब्दी दिवस पर, हम यह पत्र आकाश के उस पार नहीं, अपने ही अंतःकरण के आकाश में लिख रहे हैं—क्योंकि वहीं आप विराजमान हैं, वहीं आप श्वासों के माध्यम से बोलते हैं।

हे धर्मसंरक्षक!
आपने जब संयम के दुर्धर्ष पथ पर अपने नन्हे कदम रखे थे, तब केवल केश ही नहीं उतारे, किंतु अपने अहं के अस्थि-बंधन भी मोह-मुक्त कर दिए थे। आपका संन्यास केवल दीक्षा नहीं थी, वह तो दिक्-शून्य होने की प्रतीक्षा थी- जहाँ दिशा नहीं, केवल दृष्टि शेष रह जाती है। आज उसी पावन क्षण की शतवार्षिकी पर, हमारे हृदय, 'संयम' के शंखनाद से गुंजायमान हैं।

गुरुवर तुलसी! आप केवल नाम नहीं - एक निरंतर साथ रहने वाला प्रकाश हैं। आप श्वासों मे नैतिकता, विचारों में विवेक, करुणा के आँचल में लिपटी वीतरागता हैं। आपके अधूरे पगचिह्नों को पूर्णता की राह देना ही आज की साधना है, और यह पत्र हमारे उस प्रण का रूप है।

हे गुरुदेव!
यदि हमारी संवेदनाएँ शब्दों में बाँधते समय असमर्थ प्रतीत हों, तो कृपया उन्हें मौन का आश्रय प्रदान करना - क्योंकि श्रद्धा अक्सर बोली नहीं जाती, वह तो भीतर 'ॐ शांति' की तरह गूँजती रहती है।

आपका दर्शन भले ही दृष्टि से ओझल हो, परंतु आपकी वाणी, आपकी संकल्प-स्फुलिंगाएँ, आपका 'तप'- हमारी चेतना का अभिनव आलोक है।

अंत में...
आपकी पावन स्मृति के समक्ष हम बस इतना ही कह पाते हैं—"हम तुलसी में तथा तुलसी हममें जीवित हैं।" इसी भाव से, यह पत्र आपकी स्मृति को, और आपके उत्तराधिकारी आचार्य श्री महाश्रमण जी को अर्पित।

विनम्र श्रद्धांजलि सहित,
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल
Suman Nahata

महिला मंडल - करणीय कार्य

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

9 दिसम्बर 2025

महिला समाज की ओर से श्रद्धासिक्त अभ्यर्थना

नवमाचार्य आचार्य श्री तुलसी दीक्षा दिवस के 100 वर्ष परिसम्पन्नता के उपलक्ष्य में नौ विधाओं से अभ्यर्थना

1 नौ घण्टे का जाप

ॐ भिक्षु ॐ भिक्षु ॐ भिक्षु ॐ

जय तुलसी जय तुलसी जय तुलसी जय

9 am to 10 am	Rajasthan
10 am to 11 am	Gujarat, Bihar, Jharkhand
11 am to 12 noon	Maharashtra, Nagaland, Tripura
12 noon to 1 pm	Haryana, Delhi, Punjab
1 pm to 2 pm	Andhra Pradesh, Telengana, Odisha
2 pm to 3 pm	Assam, Meghalaya, Nepal
3 pm to 4 pm	Chattisgarh, Madhya Pradesh
4 pm to 5 pm	West Bengal, Uttar Pradesh, Kerala
5 pm to 6 pm	Karnataka, Tamilnadu

2 उपवास

9 दिसम्बर 2025 को अधिकाधिक उपवास कराने का लक्ष्य रखें।

3 आयंबिल

9 दिसम्बर 2025 को अधिकाधिक आयंबिल कराने का लक्ष्य रखें।

4 मौन

9 दिसम्बर 2025 को अधिकाधिक नौ घण्टे का मौन कराने का लक्ष्य रखें।

5 ऑनलाइन क्विज़

तुलसी प्रबोध पर आधारित ऑनलाइन क्विज़ 6 दिसम्बर 2025 को

6 स्लोगन प्रतियोगिता

अपने क्षेत्र में आचार्य तुलसी पर आधारित दो पंक्तियों की स्लोगन प्रतियोगिता करवाएं एवं 2 श्रेष्ठ प्रविष्टियों को भेजें

7 आ. तुलसी स्केच

आचार्य तुलसी का चित्रांकन अभिनव अंदाज में करते हुए देश-विदेश की किसी एक भाषा में 'गुरु तुलसी को वन्दन' लिखने की प्रतियोगिता अपने क्षेत्र में A4 साइज पेपर पर करवाएं। 2 श्रेष्ठ प्रविष्टियों को भेजें।

8 पुस्तक भेंट

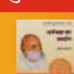

आचार्य तुलसी पर आधारित **धर्मचक्र का प्रवर्तन** पुस्तक देश के जाने-माने प्रसिद्ध व्यक्ति को 30 नवम्बर तक भेंट करें एवं फोटो अवश्य लें।

9 तुलसी अष्टकम् कण्ठस्थ

अपने क्षेत्र में अधिकाधिक महिलाओं को तुलसी अष्टकम् कण्ठस्थ करने हेतु प्रेरित करें। संख्या सहित नाम प्रेषित करें।

समस्त श्रावक-श्राविकाएं अपने क्षेत्र के तेरापंथ भवन में सामूहिक रूप से जाप करें।

अधिक जानकारी हेतु 98796 33133 को सम्पर्क करें।

9 दिसम्बर की शाम तक अपने क्षेत्र से जाप, उपवास, आयंबिल, मौन आदि के आंकड़े नाम सहित मो. 95004 64089 पर अवश्य प्रेषित करें।

30 नवम्बर की शाम तक अपने क्षेत्र से चयनित स्लोगन एवं चयनित तुलसी स्केच प्रविष्टियां तथा 7 दिसम्बर तक क्विज़ सहभागी के आंकड़े मो. 95004 64089 पर अवश्य प्रेषित करें।

30 नवम्बर की शाम तक अपने क्षेत्र से विशिष्टजन को भेंट की गई पुस्तक की फोटो एवं तुलसी अष्टकम् कण्ठस्थ के नाम सहित आंकड़े मो. 93766 67761 पर अवश्य प्रेषित करें।

♦ युवती विभाग - करणीय कार्य ♦

Parampara with Modernity

पुरानी रागिनी: नई कहानी

पारंपरिक गीत...नई धुनों में! प्रिय युवतियों, सोच नई, संस्कार वही : जोड़े जो संस्कृति से। हमारी सांस्कृतिक जड़ों को नए रूप में जीवित रखने हेतु एक विशेष रचनात्मक कार्य प्रस्तुत है-किसी पारंपरिक गीत को चुनें और उसे आज की आधुनिक धुन / शैली में रूपांतरित कर प्रस्तुत करें, ताकि परंपरा जीवित भी रहे और नई पीढ़ी उसे गुनगुना सके।

- चुने हुए गीत को आधुनिक अंदाज़ में गाएं / प्रस्तुत करें,
- उसकी एक छोटी वीडियो बनाएं,
- और निर्धारित तिथि तक प्रेषित करें।

"परंपरा का स्वर... आधुनिकता की ताल-यही है नई पीढ़ी का सुंदर संगम।"

Yuvti Reflection – 2026

एक परंपरा... जिसने मुझे बेहतर बनाया! प्रिय युवतियों, नए वर्ष के अवसर पर एक मधुर चिंतन-अपनी जीवन–यात्रा की एक ऐसी परंपरा/संस्कार चुनें जिसने आपको सशक्त, संवेदनशील या बेहतर बनाया हो। उसे 3–4 पंक्तियों में लिखकरअपना New Year Card बनाकर हमे भेंजे और इस सीख को नए वर्ष का संकल्प बनाएं। 10 best cards को आगामी नारीलोक में प्रेषित किया जाएगा।

" हर परंपरा एक प्रकाश है-उसे अपने शब्दों में फिर से जगमगाने दें।"

गीत की वीडियो और New Year Card 15 दिसंबर 2025 तक अपने जोनल संयोजिका को 90079 11111/99286 95035 पर WhatsApp करें।

चित्र - चिंतन

चित्र चिंतन को स्फुरित करता है, कल्पनाओं का सैलाब उमड़ाता है, प्रेरणा और प्रोत्साहन भी देता है। यहाँ दिखाए गए चित्र को देख उभर रहे आपके मन के विचारों को Google Form (Clickable Google Form Link Below the Picture) के माध्यम से प्रस्तुत करें। सूचना:- प्रस्तुति भेजने की अंतिम तिथि 12 दिसंबर 2025- शब्द सीमा 100 शब्द। प्रविष्टियां Google Form के माध्यम से ही स्वीकार की जाएंगी। विचार मौलिक हों, प्रस्तुति भी आपकी अपनी तो रचना विशेष रुचिकर बन सकती है। ये प्रतियोगिता 45 वर्ष तक की युवतियों के लिए ही है।

अतिरिक्त जानकारी हेतु कृपया चित्र चिंतन प्रतियोगिता संयोजिका श्रीमती शिल्पा जी बैद से 98113 31163 पर WhatsApp के माध्यम से सम्पर्क करें।

"श्रद्धा" विराट महिला सम्मेलन 17-18 दिसंबर को सिरियारी में

अखिल भारतीय महिला मंडल द्वारा 17-18 दिसंबर को सिरियारी में "श्रद्धा" विराट महिला सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है आओ आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष के पावन अवसर पर अपने आराध्य के प्रति संपूर्ण महिला शक्ति अर्पित करें श्रद्धा-भक्ति और पक्ष तत्पश्चात गुरुवर के दर्शन हेतु कंटालिया की और प्रस्थान करेंगे।

सम्मेलन हेतु कुछ विशेष जानकारी:

1. 17 दिसंबर दोपहर 10:30 बजे से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। समापन 18 दिसंबर दोपहर 2:30 बजे होगा।
2. Registration शुल्क 700/- प्रति सदस्य रखा गया है।
3. गणवेश, आसन, माला, मुखवस्त्रिका ओढ़ने-बिछाने के चादर साथ लाएं।
4. आवास सीमित है, व्यवस्थाएं कम अत: व्यवस्थाओं में सहयोग की मानसिकता रखें।
5. रजिस्ट्रेशन सीमित है, इसलिए अति शीघ्र अपना स्थान आरक्षित करें।
6. जल बचाओ अभियान से जुड़कर 18 दिसंबर को नहाने का त्याग करें।

संयोजिका

श्रीमती समृद्धी बोकाड़िया (9029055220)

श्रीमती अल्का बैद (9352774011)

श्रीमती विनीता बैंगाणी (9928695035)

सह संयोजिका

श्रीमती रीतु गधैया - (9829265097)

आरोहण

By the girls, for the spirit within

प्यारी बेटियों जय जिनेंद्र।

दीपावली के प्रकाश पर्व से आध्यात्मिक आलोक प्राप्त कर आप और हम साथ में विकास यात्रा की तरफ बढ़ रहे हैं।

आचार्य श्री तुलसी की अभिवन्दना करते हुए उनके द्वारा प्रदत जीवन मूल्यों को अपनी ताकत और संस्कारों को अपने पंख बनाकर हमारी प्यारी बेटियां सपनों को साकार करने के लिए ऊंची उड़ान भरें, यही सुभासंशा करते हैं।

कन्या मंडल संयोजिका	कन्या मंडल सह संयोजिका	अंतरराष्ट्रीय सह संयोजिका
श्रीमती हेमा चौरडिया	श्रीमती जयश्री जोगड	सुश्री जागृति छाजेड, काठमांडू
(9810281155)	(9028284801)	(+977 981-8678530)

कन्या मंडल – करणीय कार्य

उपनिषद

एक दूजे को कुछ – कुछ जाना है, अब कदम दूसरा बढ़ाना है।

रूपरेखा

- आप पहले जिन दादाजी-दादीजी के पास group में गई थी उनके पास पुनः जाएं। उनके कुछ सामान्य प्रश्न जैसे उनका childhood, उनकी hobbies आदि के बारे में पूछे।
- दादाजी से उनके समय के business, job experiences के बारे में जाने क्योंकि आज आप भी इसी क्षेत्र में कार्यरत हैं।
- दादा जी से सर्दी-जुकाम आदि छोटी-मोटी बीमारियों के समय दिए जाने वाले घरेलू नुस्खे और घरेलू beauty tips जानें। पारंपरिक भोजन
- में से किसी एक व्यंजन की recipe जानें।

पुनः सिखाएं

- दादाजी-दादीजी को पुनः social media channels को use करना सिखाए
- दादाजी-दादीजी का एक फोटो और उनके साथ अपना एक फोटो click करें, उस फोटो को अपने पास save करके रखें।

स्नेह का सिलसिला चलता रहे....

BOOMERS और GENZ के बीच के फासलों को मिटा कर स्नेह और सम्मान के साथ रिश्तों को मजबूत बनाना ही उपनिषद है।

JAINISM IN GEN Z

- आचार्य श्री तुलसी के 100वें दीक्षा दिवस पर इस माह 'तुलसी अष्टकम' के प्रथम दो पद्य कंठस्थ करें। (इसके प्रशिक्षण क्लास की जानकारीआपको दे दी जाएगी।)
- आचार्य श्री तुलसी के जीवन-वृत्त पर सुंदर सी पेंटिंग बनाकर उसे Zonal संयोजिकाओं को 12 दिसंबर 2025 तक भेजें। (Sketch, Mandala Art, etc. किसी भी माध्यम का प्रयोग किया जा सकता है।)

युवा शक्ति का संगम: कन्या मंडल की उपनिषद यात्रा

8 नवंबर 2025 को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में कन्या मंडल की उपनिषद विषय पर आयोजित Zoom Meet का शुभारंभ कु. पूर्वा की वायलन पर नवकार मंत्र की धुन से हुआ। चीफ ट्रस्टी श्रीमती कनक जी बरमेचा और राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा ने सभी कन्याओं को प्रेरक संदेश दिए तथा प्रभारी बहनों की सराहना की। महामंत्री श्रीमती रचना हिरण ने SEP कोर्स पर प्रकाश डाला, जबकि प्रभारी श्रीमती हेमा चोरड़िया ने उपनिषद प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन की जानकारी दी। मुख्य वक्ता श्रीमती अनिला जी सेठिया ने सारगर्भित विचार प्रस्तुत किए, और कु. सीप चपलोत ने पेंटिंग द्वारा आकर्षक रुमाल बनाना सिखाया। कार्यक्रम में सह प्रभारी श्रीमती जयश्री जोगड़, साउथ जोन संयोजिका श्रीमती रुचिका पटावरी और ईस्ट जोन संयोजिका श्रीमती रचना हिरण (डूंगरी) की महत्वपूर्ण भूमिका रही, तथा Zoom पर एक हज़ार और Facebook Live पर लगभग 1500 -1700 प्रतिभागियों की उपस्थिति दर्ज हुई।

अ.भा.ते.म.म. ने रचा नया इतिहास

India Book of Records

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने विभिन्न दिल्ली विद्यालयों में 21,000 ओरल हेल्थ एंड हाइजीन किट्स वितरित कर बच्चों को जागरूक किया। इस उल्लेखनीय प्रयास को India Book of Records में भी स्थान मिला, जो ABTMM के लिए अत्यंत गर्व का क्षण है।

इस अभियान को सफल बनाने में दिल्ली की सभी शाखाओं का अमूल्य सहयोग रहा।
तेरापंथ महिला मंडल दिल्ली के पाँचों क्षेत्रों का हार्दिक धन्यवाद।

संवाद सेवा का, समर्पण का, संगठित नारी शक्ति का

राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा की सार्थक संगठन यात्रा

30 अक्टूबर 2025 को अभातेममं की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, उपाध्यक्ष श्रीमती मधु डेरासरिया एवं मारवाड़ प्रभारी श्रीमती विनीता बेंगानी द्वारा जोधपुर (शरदारपूरा, जाटावास), पचपदरा एवं जसोल क्षेत्रों की साथक संगठन यात्रा संपन्न हुई। प्रतिनिधि मंडल ने साध्वी श्री कुंदन प्रभा जी थाना-4 साध्वी श्री सत्यवती जी थाना-4 साध्वी श्री संपूर्णयशा जी थाना-4 एवं साध्वी श्री रतिप्रभा जी थाना-4 के पावन दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

पाली दर्शन

दिनांक 31.10.2025 को अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा, उपाध्यक्ष श्रीमती मधु देरासरिया एवं मारवाड़ प्रभारी श्रीमती विनीता बेंगानी ने पाली क्षेत्र में विराजमान साध्वी श्री काव्यलता जी ठाणा-4 के पावन दर्शन कर मंगल आशीर्वाद प्राप्त किया।

विश्वास कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में विश्वास (संघ, संस्था व संबंध) विषय पर एक सार्थक कार्यशाला का आयोजन 31 अक्टूबर 2025 को बालोतरा में साध्वीश्री अणिमाश्री जी (ठाणा-5) के पावन सान्निध्य एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा श्रीमती सुमन नाहटा की अध्यक्षता में किया गया।

कार्यक्रम में अभातेममं उपाध्यक्ष श्रीमती मधु देरासरिया, मारवाड़ प्रभारी श्रीमती विनीता बेंगानी, एवं कार्यसमिति सदस्य श्रीमती मीना ओस्तवाल तथा सभी संस्थाओं के पदाधिकारी सहित लगभग 1000 भाई-बहिनों की उपस्थिति रही।

विश्वास (संघ, संस्था व संबंध) कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल, वाशी द्वारा 16 नवंबर 2025 "विश्वास" (संघ, संस्था व संबंध कार्यशाला का भव्य आगाज अभातेममं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती सुमन नाहटा की अध्यक्षता में हुआ। कार्यशाला में अभातेमम्ं ट्रस्टी श्रीमती मधु दूगड़, उपाध्यक्ष श्रीमती मधु देरासरिया, महामंत्री श्रीमती रचना हिरण, संगठन मंत्री श्रीमती निधि सेखानी, सह मंत्री श्रीमती मधु कटारिया व श्रीमती अर्चना भंडारी, कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती हेमा चोरड़िया एवं कार्यसमिति सदस्य श्रीमती प्रीति घोषल, श्रीमती रेखा सिंयाल, श्रीमती रूबी बापना, श्रीमती नूतन लोढ़ा, सहित लगभग 13 क्षेत्र (वाशी, कमोठे, विक्रोली, खारघर, कांजुरमार्ग, पनवेल, एरोली, बेलापुर, चेंबूर, कोपरखैराने, नेरुल, मुलुंड, पार्क साइट) से बहनों की उपस्थिति रही। विश्वास से जुड़ा सघ, सेवा से बना संबंध-यही है संगठन सार

ABTMM का भावभरा आमंत्रण

अभातेमम्ं कार्यकारी सदस्यों ने 12 नवंबर 2025 को जयपुर में माननीय उपमुख्यमंत्री श्रीमती दिया कुमारी जी से भेट कर दिसंबर में सिरियारी में आयोजित "श्रद्धा-विराट महिला सम्मेलन" हेतु आमंत्रण दिया उन्होंने स्नेहपूर्वक आमंत्रण स्वीकार कर करें सम्मेलन में पधारने की सहमति प्रदान की यह हम सभी के लिए गौरव का क्षण है।

Spiritual Enhancement Programme

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तैयार Spiritual Enhancement Programme (SEP) एक आधुनिक ऐप-बेस्ड ऑनलाइन कोर्स है, जिसमें 6 प्री-रिकॉर्डेड लेक्चर और प्रत्येक मॉड्यूल के बाद ऑनलाइन परीक्षा शामिल है, तथा सफल होने पर जैन विश्व भारती संस्थान द्वारा प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है। यह केवल एक कोर्स नहीं, बल्कि आत्मविकास और आध्यात्मिक उन्नति की दिशा में प्रेरित करने वाली ज्ञानयात्रा है। अधिक जानकारी के लिए SEP की राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती नीलम जी सेठिया से 9952426060 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

तेरापंथ प्रचेता एवं तत्वाज्ञान प्रचेता परिक्षा

अखिल भारतीय महिला मंडल द्वारा संचालित आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत में वर्ष 2025की तेरापंथ प्रचेता तथा तत्वज्ञान पाठ्यक्रम की परीक्षाएं 17 और 20 दिसंबर 2025 को आयोजित की जाएगी। परीक्षा का समय दोपहर 1:00 से 4:00 बजे तक निर्धारित किया गया है। परीक्षा की पाठ्यपुस्तकें जैन विश्व भारती के आदर्श साहित्य स्टॉल पर उपलब्ध है। और लाडनूं में अ.भा.ते.म.मं. के रोहिणी कार्यालय में कार्यालय प्रभारी श्री सुनील कुमार से 77338 88138 पर संपर्क कर भी प्राप्त की जा सकती है।

अन्य परीक्षा संबंधी जानकारी हेतु परीक्षार्थी श्रीमती कुसुम बैंगानी से संपर्क कर सकते हैं।

निर्देशक : पुष्पा बैंगाणी - 9311250290

संयोजिका - कुसुम बैंगाणी - 8010139367

विगत माह में आयोजित कार्यक्रम

प्रमुखाश्री जी के सान्निध्य में ABTMM का विज़न प्रस्तुतिकरण

27 oct. 2025

ABTMM ने दो वर्षीय मिशन एवं विज़न को प्रेरणादायक पीपीटी के माध्यम से प्रमुखाश्री जी के सान्निध्य में प्रस्तुत किया गया, जिसमें संगठन की आगामी योजनाओं और क्रियान्वयन की दिशा साझा की गई।

28 oct. 2025

अभातेममं की नई पहल- लेदर - फ्री हैंडबैग का शुभारंभ

आचार्य श्री महाश्रमण जी की अहिंसा यात्रा से प्रेरित होकर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल ने अहिंसा दया और पर्यावरण संरक्षण का संदेश फैलाते हुए "लेदर फ्री हैंडबैग" लॉन्च किया। यह हैंडबैग जैन धर्म के मूल सिद्धांत, अहिंसा, दया और सादगी का प्रतीक है। "फैशन में करुणा हो जीवन में अहिंसा हो।"अभातेममं का यह कदम संस्था को नई उँचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक प्रेरक शुरुआत है।

अहमदाबाद बैठक में नई कार्यकारिणी हेतु बैज प्रस्तुतीकरण

अहमदाबाद में आयोजित कार्यकारिणी बैठक के दौरान नई कार्यकारिणी टीम के लिए विशेष रूप से तैयार किए गए बैज प्रस्तुत किए गए। सभी शाखा मंडल अध्यक्षों से विनम्र अनुरोध है कि पूरे भारतवर्ष में एकरूपता बनाए रखते हुए इसी डिज़ाइन और थीम के अनुरूप बैज तैयार करवाएँ।किसी भी प्रकार की जिज्ञासा समाधान हेतु श्रीमान संजीव चिंडालिया से 9310784081 पर संपर्क करें।

गर्भ शिशु संस्कार परियोजना ने रचा नया कीर्तिमान

गुरुदेव के मुखारविंद से फ़रमाये गए शब्द और गुरु इंगित की आराधना करते हुए अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आरंभ किया गया अभिनव प्रोजेक्ट "अंकुरम – गर्भ शिशु संस्कार" देशभर में चर्चा का केंद्र बना हुआ है। गर्भावस्था को आध्यात्मिक और संस्कारमय अनुभव बनाने के उद्देश्य से आयोजित इस ऑनलाइन पहल को अद्भुत सफलता प्राप्त हुई।

मंडल द्वारा आयोजित दो विशेष ज़ूम सत्रों में 1500 से 1700 बहनों की सीधी सहभागिता रही, जबकि पूरे देश से अब तक लगभग 62,000 से अधिक व्यूज़ दर्ज किए जा चुके हैं। यह आँकड़े बताते हैं कि मातृत्व और गर्भ संस्कार के इस विषय ने समाज में कितनी गहरी रुचि और जागृति उत्पन्न की है।

कार्यक्रम में सोनल जी और दीपिका जी द्वारा प्रस्तुत सारगर्भित प्रेज़ेंटेशन को बहनों ने अत्यंत सराहा। उनकी सरल, वैज्ञानिक व आध्यात्मिक व्याख्याएँ प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी सिद्ध हुईं।

अभियान की अभूतपूर्व सफलता को देखते हुए "अंकुरम" को भविष्य में और अधिक सुव्यवस्थित, विस्तृत और सतत कार्यक्रम के रूप में आगे बढ़ाने की योजना है, ताकि अधिक से अधिक माताएँ और परिवार इस का लाभ ले सकें।

विश्व कैंसर दिवस : ऑनलाइन कार्यशाला

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा 4 फरवरी 2025, विश्व कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में "आरोग्यम् – कैंसर अवेयरनेस वर्कशॉप" नामक एक ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला Zoom प्लेटफ़ॉर्म पर हुई। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता सुप्रसिद्ध कैंसर विशेषज्ञ डॉ. राजेश कुंडलिया थे। इस वर्कशॉप का उद्देश्य कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उसके लक्षण, कारण, रोकथाम तथा समय पर जाँच की आवश्यकता के बारे में जानकारी देना था। डॉ. कुंडलिया ने प्रतिभागियों को सरल और उपयोगी स्वास्थ्य संबंधित मार्गदर्शन प्रदान किया।वर्कशॉप ने 9.8 हजार Impressions और 8.8 हजार Reach दर्ज की, जो इसकी व्यापक प्रभावशीलता को दर्शाती है।

जागरूकता की लौ जलाएँ, कैंसर को मिलकर हराएँ।

प्रेरक प्रसंग

◆ कैसे काम करता है, भगवान का गणित? ◆

एक मंदिर के बाहर दो राहगीर बैठे थे। वे कहीं जाने की तैयारी कर रहे थे। उन्होंने सोचा पहले खाना खा लेते हैं, फिर चलेंगे। एक के पास तीन रोटियाँ थी और दूसरे के पास पांच। दोनों मिल-बाँटकर खाना खाने की वाले थे कि तभी एक तीसरा राहगीर वहां आ पहुंचा। उसने कहा- "भाई मुझे भी बहुत-बहुत भूख लगी है... पर मेरे पास रोटी नहीं है।"

दोनों को लगा कि उसे भी साथ खाना खाने देना चाहिए। अब रोटियाँ आठ थी और खाने वाले तीन। सोचा-रोटियाँ कैसे बाटी जाए। तभी एक ने सुझाव दिया- "हम एक काम करते हैं... हर रोटी के तीन-तीन टुकड़े कर लेते हैं। इस तरह कुल चौबीस टुकड़े हो जाएंगे और हर किसी को आठ आठ टुकड़े मिल जाएंगे। तीनों ने रोटियाँ के टुकड़े करके मिल बाँटकर खाना खा लिया खाना खत्म हुआ तो तीसरे राहगीर जाते-जाते आठ सोने की गिन्नियाँ दे गया।

अब नया सवाल खड़ा हुआ-गिन्नियों को कैसे बाँटा जाए ?

पहले राहगीर ने कहा- "मेरी तीन रोटियाँ थी और तेरी पाँच... तो तीन गिन्नियाँ मैं रख लेता हूँ और तुम पाँच गिन्नियाँ रख लो।" पर दूसरे राहगीर की राय अलग थी- "नहीं, हमें बराबर चार-चार गिन्नियाँ बाँटनी चाहिए।" इस बहस के बीच वहां एक पुजारी आ गए। दोनों ने उन्हें पूरा मामला बताया और पूछा-"पुजारी जी, गिन्नियों को सही तरीके से कैसे बाँटा जाए?"

पुजारी जी ने दोनों की बात ध्यान से सुनी और कुछ देर चिंतन करके बोले-"जिसकी तीन रोटियाँ थी उसे एक गिन्नी मिलनी चाहिए। और जिसकी पाँच रोटियां थी उसे 7 गिन्नियाँ मिलनी चाहिए।" दोनों राहगीर हैरान हो गए उन्होंने पूछा ऐसा क्यों पुजारी जी ने उनको जिज्ञासा का समाधान करते हुए कहा-"जब आपने हर रोटी के तीन-तीन टुकड़े किए तो तीन टुकड़ों वालों के 9 टुकड़े बने और पांच रोटियों वाले के 15 टुकड़े जिसके पास तीन रोटियाँ थी उसने अपने नौ टुकड़ों में से आठ टुकड़े स्वंय खाए और केवल एक टुकड़ा तीसरे राहगीर को दिया। इसलिए उसे एक गिन्नी मिलनी चाहिए और जिसके पास पांच रोटियाँ थी उसने अपने 15 टुकड़ों में खुद आठ टुकड़े खाए और 7 टुकड़े तीसरे राहगीर को दिए इसलिए उसे 7 गिन्नियाँ मिलनी चाहिए।" पुजारी जी मुस्कुराए और बोले-**"सच्चा न्याय बैठ कर बराबर खाने में नहीं होता बल्कि योगदान में होता है।** जिसने जितना दिया है, उसे उतना ही फल मिलना चाहिए।"

बोध: **भगवान के गणित में हिसाब योगदान के आधार पर होता है मात्रा के आधार पर नहीं।**

◆ तेरापंथ की विलक्षण श्राविका ◆

विजयलक्ष्मी जी पटवा: विजयचंद जी पटवा (पाली) तेरापंथ के सिद्धांतो को समझकर तेरापंथी बने। उनकी पत्नी, विजयलक्ष्मी जी ने भी उनकें संपर्क में तत्वज्ञान प्राप्त कर श्रद्धा स्वीकार कर ली। उनका तेरापंथी होना कुछ लोगों को अखरा। वे जानते थे कि तेरापंथ की मान्यता के अनुसार किसी को खिलाना-पिलाना धर्म नहीं है। उन्हें यह भी पता चला कि पटवाजी किसी को कच्चा पानी भी नहीं पिलाते हैं। इन सब बातों को लेकर वे उनके बारे में उल्टी सीधी बातें करने लगे। एक दिन उन्होंने सुनिश्चित योजना के तहत एक सेवग को बहलाते हुए कहा-"पटवा जी की पत्नी तुझे पानी भी नहीं पिलाएगी। सेवग पटवाजी के घर गया, कुछ देर वहां बैठकर विश्राम किया फिर वह बोला -"सेठानी जी प्यास लगी है, थोड़ा पानी पिला दीजिए।" सेठानी ने स्थिति को भाँप लिया, वह भीतर गई, घी का लोटा भरकर लाई और बोली - "सेवग जी पानी क्या, घी लीजिए।" सेवग तो उनके आत्मीयता भरे दो बोल सुनकर ही खुश हो गया। वह दौड़ा दौड़ा उन लोगों के पास जाकर बोला-"आपने कहा था कि वहां पानी भी नहीं मिलेगा, मुझे तो घी भरा लोटा मिला। **वे लोग पटवाजी की पत्नी की पटुता देखकर विस्मित रह गए।**

सारांश: इस प्रसंग का अर्थ यह नहीं है कि तेरापंथी **किसी को पानी नहीं पिलाते। मूल बात यह है** कि वे हिंसा को हिंसा मानते हैं, कच्चा पानी पिलाना हिंसा है, उसमें धर्म कैसे हो सकता है?

◆ संस्था संविधान ◆

सदस्यता विमोचन:

1. मंडल के संविधान में वर्णित उद्देश्यों, नियमों एवं कार्य-प्रणाली की अवहेलना करने पर,
2. वार्षिक शुल्क देने वाले सदस्य द्वारा वार्षिक शुल्क जमा न करने की स्थिति में,
3. यदि कोई सदस्य या उनके निकटतम पारिवारिकजन संस्था के परिप्रेक्ष्य में किसी प्रकार का मुकदमा करते हैं,
4. शाखा मंडल के विधान में मूल निवास तथा प्रवास यानी दूसरे क्षेत्र के शाखा के अलावा किसी अन्य तीसरे शाखा मंडल की सदस्यता लेने पर दूसरे क्षेत्र के मंडल की सदस्यता स्वतः निरस्त हो जाएगी।

श्रावक संदेशिका

संघीय संस्थाओं की सदस्यता:

1. संघीय संस्थाओं में अनुवांशिक ट्रस्टी व सदस्य न बनाए जाएं।
2. संघीय संस्थाओं व न्यासों में केवल व्यक्तिगत रूप से किसी व्यक्ति को ही ट्रस्टी या सदस्य बनाया जा सकता है; किसी भी प्रकार के समूह, जैसे कंपनी, ट्रस्ट, फर्म संस्था व सदृश, को ट्रस्टी या सदस्य नियुक्त नहीं किया जाए।

संस्थागत सामान्य दिशा-निर्देश

1. संस्था की स्थायी संपत्ति के मूल कागजात तथा अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज, सभी रजिस्टर, files आदि को सुव्यवस्थित रूप में सुरक्षित और updated रखें।
2. संस्था के समस्त आयोजनों का सुव्यवस्थित संचालन सुनिश्चित किया जाए एवं संघीय कार्यक्रमों में सहभागिता दर्ज करायें।"

◆ आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्वविज्ञ परीक्षा परिणाम घोषित ◆

अरणी की आग घर्षण के बिना प्रकट नहीं होती, वैसे ही स्वाध्याय के बिना ज्ञान प्रकट नहीं होता और आचरण का परिष्कार नहीं होता।

प्रेरणादायी भाव को आत्मसात करते हुए तथा आचरण को उन्नत बनाने के परम उद्देश्य से आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अंतर्गत तत्वविज्ञ पाठ्यक्रम की परीक्षाएँ देशभर के 49 केंद्रो पर 14 एवं 17 अगस्त 2025 को सफलतापूर्वक संपन्न हुई। कुल 150 परीक्षार्थियों ने परीक्षा फॉर्म भरे, जिनमें से 125 परिक्षार्थियों ने परीक्षा दी। उल्लेखनीय है कि परीक्षा परिणाम 98% रहा, जो सभी परिक्षार्थियों के परिश्रम, अनुशासन और अध्ययनशीलता का प्रमाण है। सभी सफल परीक्षार्थियों का हार्दिक बधाई।

जो विद्यार्थी अपनी उत्तर पुस्तिकाओं का Re-check करवाना चाहते हैं वे 15 दिसंबर 2025 तक आवेदन कर सकते हैं। री-चेक शुल्क 250 निधारित किया गया है। इस वर्ष 24 चारित्रात्माओं ने तत्वविज्ञ तथा 19 चारित्रात्माओं ने तत्वज्ञान पाठयक्रम की परीक्षा दी। दोनों ही परीक्षाओं का परिणाम शत-प्रतिशत रहा। परीक्षाओं के सफल आयोजन में निदेशक श्रीमती पुष्पा बैंगानी, राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती कुसुम बैंगानी तथा श्रीमती नवीन पींचा के श्रम, निष्ठा एवं नेतृत्व का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इनके और सहयोग प्रदान करने वाले सभी शाखा मंडलो एवं व्यवस्थापकाओं के प्रति हार्दिक आभार।

आर्थिक सौजन्य हेतु तत्वज्ञ श्राविक स्व. श्रीमती रतनी देवी गोठी, श्रीमान सुमित जी-श्रीमती सुमन जी तथा श्रीमान योगेंद्र जी- श्रीमती नीलम जी गोठी परिवार के प्रति कृतज्ञता। परिक्षा परिणाम इस प्रकार रहे

क्रम संख्या	नाम	पंजीकरण संख्या	वर्ष	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
तत्व विज्ञ प्रथम वर्ष चारित्रात्मा - 2025							
1	साध्वी श्री विज्ञ प्रभा	VG5037	2025	92.5	95.5	188	प्रथम
2	साध्वी श्री आगम प्रभा	VG5039	2025	92.5	95.5	188	प्रथम
3	साध्वी श्री तरुण यशा	VG5041	2025	91.5	92.5	184	द्वितीय
4	साध्वी श्री प्रणति प्रभा	VG5040	2025	90.5	89.5	180	तृतीय
5	साध्वी श्री काम्य प्रभा	VG5043	2025	79.5	94.5	174	विशेष योग्यता
6	साध्वी श्री प्रज्ञ प्रभा	VG5035	2025	84.5	88.5	173	विशेष योग्यता
7	साध्वी श्री कुमुद प्रभा	VG5034	2025	71.5	89.5	161	विशेष योग्यता
8	साध्वी श्री आर्य प्रभा	VG5038	2025	62	87	149	प्रथम श्रेणी
9	साध्वी श्री दीक्षित प्रभा	VG5033	2025	61.5	72.5	134	प्रथम श्रेणी
10	साध्वी श्री हिमश्री	VG5042	2025	40.5	61.5	102	द्वितीय श्रेणी
तत्व विज्ञ द्वितीय वर्ष चारित्रात्मा - 2025							
1	साध्वी श्री सार्थक प्रभा	VG5030	2024	89.5	96.5	186	प्रथम
2	साध्वी श्री नैतिक प्रभा	VG5028	2024	90	91	181	द्वितीय
3	साध्वी श्री प्रसिद्ध प्रभा	VG5029	2024	81	79	160	तृतीय
तत्व विज्ञ तृतीय वर्ष चारित्रात्मा - 2025							
1	साध्वी श्री पल्लव प्रभा	VG5020	2023	99.5	97.5	197	प्रथम
2	साध्वी श्री धृति प्रभा	VG5015	2023	98	98	196	द्वितीय
3	साध्वी श्री रोहिणी प्रभा	VG5023	2023	97	98	195	तृतीय
4	साध्वी श्री निर्णय प्रभा	VG5019	2023	93.5	98.5	192	विशेष योग्यता
5	साध्वी श्री मध्यस्थप्रभा	VG5008	2022	92.5	98.5	191	विशेष योग्यता
6	साध्वी श्री ऋषि प्रभा	VG5022	2023	92	94	186	विशेष योग्यता
7	साध्वी श्री पुष्य प्रभा	VG5021	2023	88.5	91.5	180	विशेष योग्यता
8	साध्वी श्री अनन्य प्रभा	VG5014	2023	80.5	90.5	171	विशेष योग्यता
9	समणी शशि प्रज्ञा	VG5025	2023	61	99	160	विशेष योग्यता
10	साध्वी श्री गंभीर प्रभा	VG5016	2023	89	70	159	विशेष योग्यता
11	साध्वी श्री नीति प्रभा	VG5009	2022	72	65	137	प्रथम श्रेणी

क्रम संख्या	नाम पंजी करण	संख्या	वर्ष	केंद्र	रोल नंबर	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता

तत्त्व विज्ञ परीक्षा परिणाम 2025 भाग I

क्रम संख्या	नाम पंजी करण	संख्या	वर्ष	केंद्र	रोल नंबर	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
1	मदालसा बैद	VG310	2025	कोलकाता दक्षिण	30	98	100	198	प्रथम
2	अनुपम गुप्ता	VG351	2025	कोलकाता पूर्वांचल	122	98.5	98.5	197	द्वितीय
3	पद्मा सुराणा	VG303	2025	बैंगलोर	7	97	99	196	तृतीय
4	लाजवंती कातरेला	VG364	2025	हनुमत नगर	147	96	99	195	विशेष योग्यता
5	विजया भूतोडिया	VG353	2025	कोलकाता पूर्वांचल	124	99.5	92.5	192	विशेष योग्यता
6	पारस मेहता	VG333	2025	भीलवाड़ा	64	91	100	191	विशेष योग्यता
7	सुषमा गुलगुलिया	VG312	2025	कोलकाता दक्षिण	32	93	96	189	विशेष योग्यता
8	सुशीला नखत	VG338	2025	जयपुर सी-स्कीम	80	91	97	188	विशेष योग्यता
9	मधु जैन	VG336	2025	भिवानी	70	90.5	93.5	184	विशेष योग्यता
10	क्रांति खटेड़	VG358	2025	विजयनगरम	137	92	92	184	विशेष योग्यता
11	अंकुर कोचर	VG339	2025	भीनासर	84	89	91	180	विशेष योग्यता
12	आशा डूंगरवाल	VG357	2025	सलेम	134	88	92	180	विशेष योग्यता
13	अंजू जैन	VG308	2025	कोलकाता दक्षिण	28	84.5	93.5	178	विशेष योग्यता
14	कनक बरडिया	VG317	2025	सूरत	42	91	85	176	विशेष योग्यता
15	सोनम वी . जैन	VG330	2025	सूरत	55	87	89	176	विशेष योग्यता
16	मीना मेहता	VG322	2025	सूरत	47	80	92	172	विशेष योग्यता
17	दीपमाला खोखावत	VG314	2025	सूरत	39	78	93	171	विशेष योग्यता
18	राजू देवी दुगड़	VG325	2025	सूरत	50	83	87	170	विशेष योग्यता
19	नीरू दुगड़	VG311	2025	कोलकाता दक्षिण	31	70.5	97.5	168	विशेष योग्यता
20	खुशबू तलेसरा	VG335	2025	कांकरोली	69	71	96	167	विशेष योग्यता
21	मोनिका सेठिया	VG340	2025	भीनासर	85	65.5	98.5	164	विशेष योग्यता
22	मंजू दुगड़	VG359	2025	विजयनगरम	138	83	80	163	विशेष योग्यता
23	अलका श्रीश्रीमाल	VG360	2025	ठाणे शहर	142	66	95	161	विशेष योग्यता
24	ललिता मुथा	VG302	2025	बैंगलोर	6	72	84	156	विशेष योग्यता
25	पिंकी संकलेचा	VG323	2025	सूरत	48	72.5	82.5	155	विशेष योग्यता
26	टीना संकलेचा	VG331	2025	सूरत	56	77	77	154	विशेष योग्यता
27	रेखा पितलिया	VG349	2025	विजयनगर बैंगलोर	120	64	89	153	विशेष योग्यता
28	सपना सोलंकी	VG365	2025	बैंगलोर	150	82	69	151	विशेष योग्यता
29	रेखा संकलेचा	VG326	2025	सूरत	51	76.5	72.5	149	प्रथम श्रेणी
30	संतोष जैन	VG354	2025	दक्षिण हावड़ा	126	58.5	90.5	149	प्रथम श्रेणी
31	रेखा दुगड़	VG363	2025	ठाणे शहर	145	64	85	149	प्रथम श्रेणी
32	सीमा डक	VG356	2025	राजराजेश्वरी नगर	133	61	87	148	प्रथम श्रेणी
33	कमला भंसाली	VG313	2025	मुंबई कांदिवली	36	70.5	75.5	146	प्रथम श्रेणी
34	जयंती सिंघी	VG315	2025	सूरत	40	75.5	68.5	144	प्रथम श्रेणी
35	संतोष देवी भंसाली	VG327	2025	सूरत	52	84.5	59.5	144	प्रथम श्रेणी
36	ललिता मेहता	VG318	2025	सूरत	43	66	73	139	प्रथम श्रेणी
37	अनुजा गोलेछा	VG343	2025	बालोतरा	90	58	79	137	प्रथम श्रेणी
38	मधु चोपड़ा	VG344	2025	बालोतरा	91	67	65	132	प्रथम श्रेणी
39	नीता तलेसरा	VG346	2025	नाथद्वारा	108	55	77	132	प्रथम श्रेणी
40	रीता जैन	VG334	2025	इंदौर	67	55	76	131	प्रथम श्रेणी
41	अरविंद कुमार ए. ड़ोशी	VG300	2025	अहमदाबाद	1	41	82	123	प्रथम श्रेणी
42	राजकंवरी कोचर	VG341	2025	भीनासर	86	46.5	61.5	108	द्वितीय श्रेणी
43	पुष्पा पगारिया	VG362	2025	ठाणे शहर	144	40.5	59.5	100	द्वितीय श्रेणी
44	स्नेहलता सेठिया	VG342	2025	भीनासर	87	44	50	94	द्वितीय श्रेणी
45	समिता बोथरा	VG307	2025	दिल्ली उत्तर	26	33.5	63.5	FAIL	असफल
46	कमला जैन	VG316	2025	सूरत	41	36.5	44.5	FAIL	असफल
47	सारिका बैद	VG350	2025	विजयनगर बैंगलोर	121	35.5	46.5	FAIL	असफल

तत्त्व विज्ञ परीक्षा परिणाम 2025 भाग II

क्रम संख्या	नाम पंजी करण	संख्या	वर्ष	केंद्र	रोल नंबर	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
1	सुमिता बेंगानी	VG247	2024	मुंबई कांदिवली	38	99	98	197	प्रथम
2	सीमा दुगड़	VG266	2024	जयपुर सी-स्कीम	81	98	98	196	द्वितीय
3	सुशील जैन	VG279	2024	जींद	100	95	100	195	तृतीय
4	सुमन आंचलिया	VG245	2024	कोलकाता दक्षिण	34	94	99	193	विशेष योग्यता
5	प्रियंका सुराणा	VG298	2024	सिंधनूर	141	92	100	192	विशेष योग्यता
6	शांति बांठिया	VG244	2024	कोलकाता दक्षिण	33	92	99	191	विशेष योग्यता
7	अनीता नाहर	VG296	2024	सिंधनूर	139	93	95	188	विशेष योग्यता
8	प्रभा बाफना	VG238	2024	चेन्नई	14	91	96	187	विशेष योग्यता
9	चंदा कोठारी	VG281	2024	मुंबई भायंदर	103	88	99	187	विशेष योग्यता
10	शीतल संघवी	VG280	2024	मुंबई घाटकोपर	102	92	92	184	विशेष योग्यता
11	संतोष रायसोनी	VG177	2022	बैंगलोर	9	91	92	183	विशेष योग्यता
12	संतोष वेदमुथा	VG263	2024	हुबली	79	97	86	183	विशेष योग्यता
13	विमला गोलेछा	VG273	2024	बालोतरा	93	84	99	183	विशेष योग्यता

क्रम संख्या	नाम पंजी करण	संख्या	वर्ष	केंद्र	रोल नंबर	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
14	सुनीता बोथरा	VG282	2024	मुंबई भायंदर	104	89	93	182	विशेष योग्यता
15	कुसुम बैद	VG283	2024	मुंबई कालबादेवी	106	91	90	181	विशेष योग्यता
16	डिंपल जीरावाला	VG297	2024	सिंधनूर	140	92	89	181	विशेष योग्यता
17	सुमन राखेचा	VG246	2024	मुंबई कांदिवली	37	87	93	180	विशेष योग्यता
18	जया बोथरा	VG286	2024	कोलकाता पूर्वांचल	125	88	92	180	विशेष योग्यता
19	वंदना एन. डर्ला	VG242	2024	चेन्नई	17	89	90	179	विशेष योग्यता
20	सुनीता कोटेचा	VG290	2024	दक्षिण हावड़ा	129	88	90	178	विशेष योग्यता
21	संतोष बैद	VG265	2024	दिल्ली पूर्व	148	88	88	176	विशेष योग्यता
22	सरला सेठिया	VG240	2024	चेन्नई	16	84	90	174	विशेष योग्यता
23	शोभा देवी डागा	VG272	2024	बालोतरा	92	79	93	172	विशेष योग्यता
24	कविता मेरतवाल	VG235	2024	चेन्नई	11	75	94	169	विशेष योग्यता
25	रेखा आर समदरिया	VG239	2024	चेन्नई	15	85	83	168	विशेष योग्यता
26	बिंदु गोयल	VG275	2024	जींद	96	78	86	164	विशेष योग्यता
27	पुष्पा सेठिया	VG289	2024	दक्षिण हावड़ा	128	72	91	163	विशेष योग्यता
28	किरण मुथा	VG236	2024	चेन्नई	12	77	82	159	विशेष योग्यता
29	विक्टोरिया बैद	VG291	2024	दक्षिण हावड़ा	130	66	88	154	विशेष योग्यता
30	प्रेमलता भंसाली	VG251	2024	जोधपुर	62	78	75	153	विशेष योग्यता
31	लीला सिंघी	VG255	2024	गंगाशहर	74	71	78	149	प्रथम श्रेणी
32	कांता मित्तल	VG276	2024	जींद	97	70	74	144	प्रथम श्रेणी
33	कविता बाफना	VG299	2024	चित्रदुर्ग	146	52	70	122	प्रथम श्रेणी
34	मीना जैन	VG278	2024	जींद	99	54	65	119	द्वितीय श्रेणी
35	अर्चना धारेवा	VG234	2024	बैंगलोर	8	58	58	116	द्वितीय श्रेणी
36	मंजू मर्लेचा	VG237	2024	चेन्नई	13	55	54	109	द्वितीय श्रेणी
37	कुणाल मित्तल	VG277	2024	जींद	98	47	40	87	तृतीय श्रेणी

तत्त्व विज्ञ परीक्षा परिणाम 2025 भाग III

क्रम संख्या	नाम पंजी करण	संख्या	वर्ष	केंद्र	रोल नंबर	अंक 1	अंक 2	कुल अंक	वरीयता
1	समता रांका	VG182	2023	बैंगलोर	10	95	97	192	प्रथम
2	सुनीता पुगलिया	VG204	2023	गंगा शहर	78	95	97	192	प्रथम
3	रेखा संकलेचा	VG196	2023	हैदराबाद	66	90.5	99.5	190	द्वितीय
4	गुणवंथी एस. दुगड़	VG183	2023	चेन्नई	18	91.5	96.5	188	तृतीय
5	मंजू छाजेड़	VG038	2021	कोलकाता दक्षिण	35	90.5	97.5	188	तृतीय
6	रेणु बांठिया	VG226	2023	सूरत	61	92.5	95.5	188	तृतीय
7	चंदा दुग्गड़	VG214	2023	वापी	117	95.5	92.5	188	तृतीय
8	रंजू बैद	VG195	2023	हैदराबाद	65	88.5	97.5	186	विशेष योग्यता
9	सीमा जे. डांगी	VG227	2023	उधना	82	94.5	91.5	186	विशेष योग्यता
10	राजुल मनोत	VG190	2023	दिल्ली उत्तर	27	92.5	92.5	185	विशेष योग्यता
11	हेमा मेहता	VG216	2023	वापी	119	91	93	184	विशेष योग्यता
12	शालिनी लुंकड़	VG219	2023	सलेम	135	86.5	97.5	184	विशेष योग्यता
13	अंजू बोरडिया	VG221	2023	सूरत	58	89.5	93.5	183	विशेष योग्यता
14	रेखा महनोत	VG209	2023	उदासर	101	91	91	182	विशेष योग्यता
15	हेमा भंसाली	VG188	2023	कोयंबटूर	25	91.5	89.5	181	विशेष योग्यता
16	आरती सांखला	VG200	2023	भुसावल	72	87.5	93.5	181	विशेष योग्यता
17	बिमला कोचर	VG198	2023	गुवाहाटी	71	86.5	93.5	180	विशेष योग्यता
18	मीना कर्णावट	VG211	2023	नाथद्वारा	109	82.5	96.5	179	विशेष योग्यता
19	मनीषा पोरवाल	VG197	2023	उदयपुर	68	84.5	93.5	178	विशेष योग्यता
20	आशा चोपड़ा	VG207	2023	बालोतरा	94	91.5	84.5	176	विशेष योग्यता
21	एकता कच्छारा	VG215	2023	वापी	118	87.5	88.5	176	विशेष योग्यता
22	राखी डागा	VG184	2023	चेन्नई	19	82.5	92.5	175	विशेष योग्यता
23	संजू लालानी	VG203	2023	गंगाशहर	77	90.5	83.5	174	विशेष योग्यता
24	शिल्पा दुगड़	VG187	2023	चेन्नई	21	84	89	173	विशेष योग्यता
25	संगीता दुगड़	VG048	2021	दिल्ली दक्षिण	149	85.5	85.5	171	विशेष योग्यता
26	सुषमा सालेचा	VG089	2021	बालोतरा	95	85.5	83.5	169	विशेष योग्यता
27	मनीषा सेठिया	VG225	2023	सूरत	60	81	84	165	विशेष योग्यता
28	कैलाश हिरण	VG213	2023	वसई पालघर	115	71.5	92.5	164	विशेष योग्यता
29	गीता राठौड़	VG222	2023	सूरत	59	73.5	88.5	162	विशेष योग्यता
30	कनक गोलछा	VG201	2023	गंगाशहर	75	69.5	91.5	161	विशेष योग्यता
31	रेखा बेंगानी	VG172	2022	दक्षिण हावड़ा	132	69	92	161	विशेष योग्यता
32	अंजना गोखरू	VG149	2022	आसींद	88	70.5	89.5	160	विशेष योग्यता
33	सीमा एम. डांगी	VG228	2023	उधना	83	78.5	77.5	156	विशेष योग्यता
34	ज्योति चोरडिया	VG169	2022	दक्षिण हावड़ा	131	68.5	87.5	156	विशेष योग्यता
35	निहारिका कोठारी	VG093	2021	तिरुपुर	112	75	80	155	विशेष योग्यता
36	सुनीता बाफना	VG151	2022	आसींद	89	62.5	85.5	148	प्रथम श्रेणी
37	वनिता बापना	VG139	2022	राजसमंद	63	58.5	86.5	145	प्रथम श्रेणी
38	प्रियंका समोता	VG212	2023	नाथद्वारा	110	64	81	145	प्रथम श्रेणी
39	कंचन बैद	VG220	2023	कोलकाता टॉलीगंज	136	61	76	137	प्रथम श्रेणी
40	उषा सिरोहिया	VG230	2023	मुंबई भायंदर	105	62.5	66.5	129	प्रथम श्रेणी
41	किरण बरमेचा	VG199	2023	तेजपुर	111	66.5	61.5	128	प्रथम श्रेणी

योगक्षेम वर्ष 2026-2027

♦ प्रज्ञा पाथेय-साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यशाला ♦

योगक्षेम वर्ष के दौरान फरवरी माह से आगामी 13 महीनों तक साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यशालाओं का नियमित आयोजन किया जाएगा। देशभर की 527 शाखाओं को सुव्यवस्थित रूप से विभाजित करते हुए, प्रत्येक सप्ताह 10 क्षेत्रों से 3-3 बहनों का एक समूह इस प्रशिक्षण में सहभागी होगा। प्रातःकाल से सायंकाल तक चलने वाले इन सत्रों में योग, प्रेक्षाध्यान, तत्वज्ञान आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। पूज्य प्रवर, साध्वी प्रमुखा जी, मुख्य मुनिप्रवर, एवं साध्वीवर्या जी द्वारा भी मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

यह प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल आत्म विकास के लिए उपयोगी सिद्ध होगा, बल्कि संगठनात्मक सशक्तिकरण की दृष्टि से भी एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। इस सतत प्रशिक्षण क्रम के माध्यम से बहनों में नेतृत्व क्षमता, कार्यकुशलता एवं आध्यात्मिक जागरूकता को और अधिक सुदृढ़ बनाने का उद्देश्य निहित है। फरवरी माह के प्रथम दो सप्ताह की सूची इस प्रकार है:

15th FEBRUARY TO 21st FEBRUARY 2026

TAMILNADU	ARAKKONAM	RAMEELA BANTIA	99411 02800
TAMILNADU	CHENNAI	HEMALATHA NAHAR	98841 32142
TAMILNADU	ERODE	SAMTHA JEERAWALA	78452 26580
TAMILNADU	SIVAKASI	SUSHILA SETHIYA	78451 25893
TAMILNADU	THIRUKALIKUNDRAM	URMILA BARLOTA	99411 02800
TAMILNADU	THIRUVANNAMALAI	DAMAYANTHI SETHIYA	88708 50585
TAMILNADU	MADURAI	DEEPIKA JAIN FULFAGAR	90252 36344
TAMILNADU	KANCHIPURAM	REKHA KHANTED	93530 91102
TAMILNADU	SUNGUVACHATRAM	RANJANA SANCHETHI	98945 49649

22nd FEBRUARY TO 29th FEBRUARY

TAMILNADU	GUDIYATHAM	VIMALA SAMDARIA	94442 69955
TAMILNADU	PALLAVARAM	LATHA GRIYA	97101 97254
TAMILNADU	KILPAUK	ANITHA SURANA	99621 26677
TAMILNADU	VILLIPURAM	SANGEETHA BAFNA	94869 35953
TAMILNADU	TIRUPPORE	SARITHA SYAMSUKHA	90253 04451
TAMILNADU	SALEM	SARITHA CHOPRA	94865 92424
TAMILNADU	KUMBAKONAM	SWETHA SETHIYA	96773 69433
TAMILNADU	COIMBATORE	ROOPAL BHANDARI	97875 66622
TAMILNADU	COONOOR	SARALA BARADIA	91598 11457

आवश्यक निर्देश:

1. उपरोक्त सभी शाखा-मंडलों की बहनें अपनी-अपनी टिकटें समय पर अवश्य बनवा लें तथा टिकट बनते ही संयोजिकाओं को सूचित करें।
2. आवास एवं भोजन की व्यवस्था अ.भा.ते.म.मं. द्वारा रहेगी।
3. प्रशिक्षण से संबंधित विस्तृत जानकारी अगली 'नारीलोक' में प्रकाशित की जाएगी।
4. कृपया पूरे उत्साह, समर्पण एवं अनुशासन के साथ इस विशेष प्रशिक्षण में सहभागिता सुनिश्चित करें।

मुख्य संयोजिका
श्रीमती प्रीति घोषल 88004 46397

संयोजिका

श्रीमती माला कातरेला	श्रीमती सज्जन पारख	श्रीमती राखी बैद	श्रीमती चांद छाजेड़
98417 25560	92334 23522	98242 99955	93275 49313

नवंबर माह की प्रतियोगिताओं के विजेता रहें:

महिला मंडल QUIZ

1. पुष्पा सांड (कालू)
2. विजया सेठिया (साउथ कोलकाता)
3. रेणु बोथरा (बीकानेर)
4. पूजा मालू (खुशकीबाग)
5. रेखा छाजेड (देवगढ)
6. मोना बड़ोला (बारडोली)
7. सुलक्षणा भंडारी (भाईंदर)
8. नमिता संचेती (गुलाब बाग)
9. खुशबू संचेती (सिलीगुड़ी)
10. रचना पटावरी (तिरपुर)

कन्या मंडल QUIZ

1. खुशी बैद (दालखोला)
2. खुशबू सुराणा (बीकानेर)
3. हर्षा सांड (कालू)
4. हेतल नौलखा (दौलतगढ़)
5. मानसी दक (मैसूर)
6. साक्षी भटेवरा (डूंगरी)
7. परिधि बैंगानी (साउथ कोलकाता)
8. माही जैन (तिरुपुर)
9. प्रियंका तातेड़ (उत्तरहावड़)
10. हर्षिका गोखरू (लिंबायत)

युवती विभाग - चित्र चिंतन QUIZ

1. धिया तरूण लोढ़ा (सफाले)
2. भूमिका डागा (दिल्ली)
3. महेश सेक्सेरिया (अंगुल, टिटलाघर)
4. निधि जैन (पर्वत पाटिया)
5. पूजा वैद मुथा (कोयंबटूर)
6. प्रेक्षा मेहता (भीलवाड़ा, राजस्थान)
7. रिंकल दीपक पटवारी (चेंबूर, मुंबई)
8. सीमा दक (राजराजेश्वरी नगर)
9. श्रिया हिंगड़ पगारिया (अमराईवाड़ी, ओड़व)
10. स्नेहा संकलेचा (अहमदाबाद)

विजेताओं को बहुत-बहुत बधाईयां।

सभी विजेताओं से निवेदन है कि कृपया अपना पता संबंधित संयोजिकाओं को WhatsApp कर दें।

महिला मंडल QUIZ

सही उत्तर लिखें:

1. तत्व को सरल ढंग से समझाने के लिए दृष्टान्त और निगमन प्रयोग किन के लिए होता है?
2. कौन सा ऐसा द्रव्य है जो मिलता और बिछुड़ता है?
3. आचार्य तुलसी ने किसके माध्यम से खाद्य पेय में मिलावट का विरोध किया?
4. किसान की अनिवार्य हिंसा को भी किसने अहिंसा नहीं गिनाया है?
5. किस की दृष्टि में धर्म का कोई स्वतः सम्मत मूल्य नहीं होता ?
6. कोई कार्य करना, करवाना और अनुमोदन करना, तीनों को परिभाषा के शब्दो में कौन सा योग कहते है?
7. करुणा प्रधान दया कौन सी दया है?
8. किसी भी प्राणी को भयाकुल न करना कौन सा दान है?
9. दया या अहिंसा का ही दूसरा नाम है?
10. मोक्ष दान का अधिकारी कौन नहीं है?

रिक्त स्थान की पूर्ति करें:

11. असंयति को दान देने में धर्म अधर्म दोनों होते है, ये ____ दान का सिद्धांत है।
12. साधु केवल व्रती होता है और श्रावक ___!
13. ____ ने कहा प्रवृत्ति के स्त्रोत दो है - रागद्वेषात्मक और वैराग्य भाव
14. उलटा पडीया जिण मार्ग थी, ___ दीया बेहकायो रे ।
15. गृहस्थ ___ में बैठा है, साधु समता में!
16. व्रत में दृढ़ रहने की सलाह देने वाला ___ का मित्र है!
17. देखने वाले को पाप कहना ____ है।
18. ____ शब्द दो भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है।
19. दूसरों को पीडित नहीं करना चाहिए, यह ____ है।
20. असंयमी को ____ देने से संसार बढ़ता है।

नवंबर की महिला मंडल Quiz के सही जवाब:

सही उत्तर लिखें		रिक्त स्थान की पूर्ति करें	
1) आत्मसाक्षात्कार	6) मोहात्मक	1) परिग्रह	6) कर्म
2) सहजवृत्ति	7) भगवान महावीर	2) संसार	7) वध
3) संयम	8) दोहरी	3) जीवन	8) जीव
4) समझदार	9) हिंसा	4) आधार	9) अभिन्न
5) मृत्यु	10) चारित्रिक	5) मृत्यु	10) मोक्ष

संदर्भः मोक्ष धर्म का विशुद्ध रूप (Page 95-123)

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें:

संयोजिका	सह संयोजिका
श्रीमती अर्चना भंडारी	श्रीमती मीना बडाला
9810011500	9320953145

Google Form Link:
https://forms.gle/uyCLcEzdmGWyfHMm7

ज्ञान चेतना

प्रश्नोतरी

दिसंबर 2025

QUIZ -2

कन्या मंडल QUIZ

Crosswords: संदर्भः तेरापंथ प्रबोध, पद्य 11 to 20

आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी का पावन अवसर है। आचार्य प्रव समय-समय पर तेरापंथ प्रबोध कंठस्थ करने की प्रेरणा प्रदान कराते हैं अतः हम हमारी बेटियों के लिए तेरापंथ प्रबोध पर आधारित वर्ग पहेली शुरू कर रहे हैं।

बाएं से दाएं

1. भीखण जी की धर्मक्रान्ति से किसका उद्‌भव हुआ (8)
6. भीखणजी के सत्संकल्प ने किसके पांव उखाड़ दिये (2)
8. राजनगर के श्रावकों की शंकाओं के समाधान के लिए रघुनाथ जी ने भीखण जी को कहां की यात्रा का निर्देश दिया (3)
9. तत्त्वज्ञ श्रावक बच्छाराजजी ओसवाल किस क्षेत्र के थे (5)
11. भीखणजी ने श्रावकों की शंका निवारण के लिए फिर से विचार करने के लिए किनका अध्ययन करने की बात कही (3)
12. रामचरण जी से भीखणजी की मित्रता किस ग्राम में हुई (2)
13. रघुनाथजी के आदेश से भीखण जी कितने साधुओं के साथ राजनगर पहुंचे (2)
14. सोढा ग्राम में भीखणजी के किस रिश्तेदार का घर था (2)
16. किसने सोचा कि अगर अभी आयुष्य का बंध या मौत हो जाए तो क्या गति हो (4)
18. भीखण जी ने क्या स्वीकार करने की घोषणा की जिससे राजनगर के श्रावक खुश हुए (4)

ऊपर से नीचे

1. रामचरण जी ने अपनी दृष्टी से किसकी व्याख्या की (4)
2. रघुनाथ जी ने शिष्य भीखण से कौन से कलिकाल की बात कही है (3)
3. भीखण जी ने किसके लिए सोचा कि जो जन-जन को आलम्बन देने वाला है, स्वयं कितना दीन-हीन और असहाय हो रहा है (2)
4. भीखण जी के ज्वर की औषधि क्या बन गया (3)
5. वि. स. 1815 के शेषकाल में आचार्य रघुनाथ जी का प्रवास कहां था (4)
7. भीखणजी ने समग्र स्थिति पर किसकी आज्ञा पर आधारित रास्ता स्वीकार करने की बात सोची (4)
9. किसके सम्पर्क से भीखण जी जैन धर्म से प्रभावित हुए (6)
10. किसने सोचा कि मेरा शिष्य पापभीरू व वैरागी है (4)
11. जैन धर्म में सृष्टि का काल विभाग (2)
15. आगमों में भगवान ने साधुओं के लिए किसका निरूपण किया है (3)
17. मार्ग, रास्ता (2)

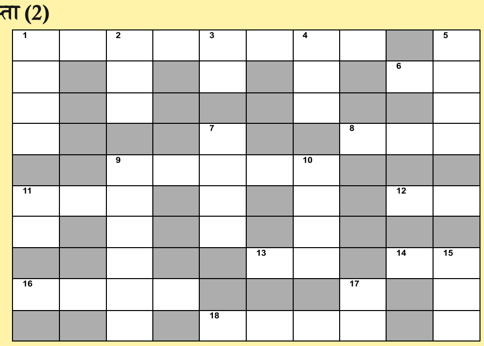

नवंबर की कन्या मंडल Quiz के सही जवाब:

दाएं से बाएं	ऊपर से नीचे
3 सकलेचा	1 भीखण
5 राजा	2 सात
6 औतपत्तिकि	3 समयं गोयम मा पमायए
10 कांटा	4 नुकीले कांटे
12 तीन	7 आराध्य देव
13 श्रावक प्रताप जी	8 तेरापंथ प्रबोध
14 एकांतर तप	9 ब्रह्मचर्य
	11 जैन विश्व भारती लाडनूं

संयोजिका श्रीमती मंजू भूतोडिया–9312173434

Google Form Link: https://forms.gle/X6Vv2t4eTtrsC1Jz8

प्रश्नोत्तरी भरकर भेजने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर 2025

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को प्रदत्त अनुदान

समस्त अनुदानदाताओं का हार्दिक आभार

55 लाख
तमिलनाडु की ओर से
(C/O श्रीमती माला जी कातरेला)

11 लाख
श्रीमती सरिता जी अरविंद जी संचेती
(अहमदाबाद)

9 लाख
श्रीमती प्रीति जी बबीता जी घोषल जैन
(न्यू दिल्ली)
(जैन स्कॉलर आवास व्यवस्था एवं Non-leather बैग Badge/Keychaen/Pen/Diary)

1.5 लाख
श्रीमती वीणा जी बैद
(बैंगलोर)
(चित्र चिंतन प्रतियोगिता हेतु)

1.5 लाख
श्रीमती कनुप्रिया जी रांका
(इंदौर)
(Crossword प्रतियोगिता हेतु)

भावना चौका

श्रीमती प्रभा जी किशोर जी सिंघवी
रोहित ग्रुप (बालोतरा) 51 हजार

श्रीमती सारिका जी बागरेचा
(बालोतरा) 51 हजार

तेरापंथ महिला मंडल
वाशी - मुंबई
21 हजार

गुप्त दान 11 हजार
(चैन्नई)

मारवाड़ क्षेत्रीय संगठण यात्रा अनुदान

तेरापंथ महिला मंडल
बालोतरा
31 हजार

श्रीमान अरविंद कुमार जी
संजय कुमार जी भंडारी
21 हजार

तेरापंथ महिला मंडल
जसोल
21 हजार

तेरापंथ महिला मंडल
पचपदरा
21 हजार

तेरापंथ महिला मंडल
जोधपुर (सरदारपुरा)
11 हजार

तेरापंथ महिला मंडल
जोधपुर (जाटावास)
7 हजार

पंजीकृत कार्यालयः रोहिणी, अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राज.) 341306

महामंत्री कार्यालय
Rachna Hiran
604 Thakur Jewel,
Near HDFC Bank,
Thakur Village, Kandivali East,
Mumbai - 400101
Mob.: 9821385587
Email: rachnapritam@yahoo.co.in

नारीलोक

नारीलोक प्राप्ति हेतु संपर्क सूत्र
Nutan Lodha
Mob.: 9869371153

कोषाध्यक्ष
Mamta Ranka
Indra Chowk New Line,
Gangashahar,
Bikaner- 334401
Mob.: 9414142924
Email: mamtaranka002@gmil.com

www.facebook.com/abtmmjain/

www.abtmm.org

www.youtube.com/channel/UCMnsuMEyhhQWvDbnrfwpdEQ